हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025

11 जिला स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने...

12 दीपावली पर बढ़ी मिट्टी के दीयों की मांग...

एक वर्ष से नगर पालिका की ओर से शहर में नियमित कूड़े के उठान के लिए किया गया एजेंसी को हायर

शहर में 4.22 करोड़ रुपये की लागत से होगा डोर टू डोर कूड़े का कलेक्शन, कचरा होगा रिसाइकिल

- मार्च 2023 में समाप्त हो गया था डोर टू डोर कूड़े का कलेक्शन, करीब शहर में दो वर्ष तक नहीं हुआ नियमित रूप से कूड़े का उठान
- एजेंसी को प्रति माह किया जाता था 4 लाख रुपये का भुगतान

महेश कुमार ▶▶ महेंद्रगढ़

नगर पालिका की ओर से शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। करीब ढाई वर्ष बाद नपा की ओर से शहर में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन तथा कूड़े के रिसाईकिल करने का पांच वर्ष का टेंडर जारी किया है। इसके लिए नपा एजेंसी को 4.22 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी।

बता दें कि नगर पालिका की ओर से शहर में सभी वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जाता हैं। वाहनों के माध्यम से शहर से निकलने वाले कचरे को शहर के देवास रोड़ स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता है। 30 मार्च को 2023 को डोर टू डोर कूडा कलेक्शन का टेंडर समाप्त हो गया था। करीब छह माह तक अधिकारी दोबारा से कूड़ा कलेक्शन को टेंडर ही नहीं लगाए गए। टेंडर लगाने के बाद लंबे समय तक डीएमसी की सीट रिक्त होने के कारण फाइल अटकी रही। इसके बाद तत्कालीन एडीसी वैशाली सिंह को डीएमसी का चार्ज मिलने के बाद तकनीकी समस्या के चलते टेंडर का रिजेक्ट कर दिया गया था। इसके बाद दोबारा से अधिकारी डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का टेंडर नहीं लगा पाए। गत वर्ष नगर पालिका के पार्षदों द्वारा की गई हड़ताल के बाद शहर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की अस्थाई व्यवस्था की गई थी। नपा की ओर से हायर की गई एजेंसी एक वर्ष से कूड़े कलेक्शन कर रही है। नपा द्वारा एजेंसी को प्रति माह चार लाख रुपये का भुगतान किया जाता है।

शहर की सफाई को लेकर नपा गंभीर

नगर पालिका शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर है। बुधवार को मंत्री विपुल गोयल की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में आयोजित बैठक में कूडा कलेक्शन के लिए एजेंसी का हायर कर लिया गया है। जल्द ही एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी कर शहर में नियमित रूप से कूड़े का उठान कराया जाएगा।
-रमेश सैनी, नगर पालिका अध्यक्ष

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

शहर से निकलता है प्रतिदिन 12 टन कचरा

महेंद्रगढ़ शहर में 15 वार्ड है। 11 वाहनों के माध्यम से पूरे शहर से डोर टू डोर कूडा कचरा एकत्रित करना होता है। वर्तमान में नगर पालिका के पांच टैंपों तथा तीन टैक्टर से पूरे शहर का कचरा कलेक्शन किया जाता है। वाहनों की संख्या कम होने के कारण पूरे शहर से नगर पालिका के वाहनों से कूड़ा कलेक्शन करना किसी चुनौती से कम नहीं है। शहर से प्रतिदिन करीब 12 टन गीला व सूखा कचरा निकलता है। शहर से निकलने वाले कचरे को देवास रोड स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता है। शहर से निकलने वाले कचरे निवारण नहीं होने के कारण डंपिंग यार्ड में कई बार ओवरफ्लो भी हो चुका है।

30 मार्च को समाप्त हो चुका है टेंडर

नगर पालिका की ओर से शहर में सभी वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का टेंडर एक निजी कंपनी को दिया हुआ था। वाहनों के माध्यम से शहर से निकलने वाले कचरे को शहर के देवास रोड स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता है। निजी कंपनी के टेंडर की समयावधि 30 अप्रैल 2023 को समाप्त हो चुकी है। टेंडर की समयावधि समाप्त होने के कारण शहर के विभिन्न मोहल्लों से नियमित कूड़े उठान नहीं हो पा रहा है। महेंद्रगढ़ शहर में 15 वार्ड है। 11 वाहनों के माध्यम से पूरे शहर से डोर टू डोर कूड़ा कचरा एकत्रित करना होता है। इनमें से नगर पालिका के पास तीन ट्रेक्टर व पांच टैंपों है। शहर प्रतिदिन करीब 12 टन गीला व सूखा कचरा निकलता है।

खबर संक्षेप

बिजली का करंट लगने पर पूर्व सरपंच घायल

मंडी अटेली। खेत में काम करते समय गुरुवार को अटेली खंड के गांव फतेहपुर की पूर्व सरपंच संतोष देवी बिजली की लाइन के नीचे झूलते तारों के टच होने से करंट से घायल हो गई। घायल अटेली के निजी अस्पताल में उपचाराधीन है। पूर्व सरपंच के पति महावीर ने बताया नेशनल हाईवे 11 पर स्थित रोहतास कॉलेज के सामने उसका कृषि फार्म हाउस है। वीरवार दोपहर खेत में काम करते समय बिजली के झूलते तारों से हाथ टच कर गया, जिससे करंट से वह घायल हो गई। इस बारे में अनेक बार सिहमा बिजली उपमंडल कार्यालय को सूचित कर दिया है लेकिन इस लाइन को ऊंचा नहीं किया गया है। जिस कारण खेत में काम करते समय हर समय करंट का डर सताता रहता है। खेत में छह फुट की निचाई तक तार आए हुए हैं इस कारण करंट का खतरा बना रहता है।

विश्वकर्मा पूजा दिवस 23 को

महेंद्रगढ़। शहर के विश्वकर्मा मंदिर में 23 अक्टूबर को विश्वकर्मा पूजा दिवस आयोजित किया जाएगा। कमेटी प्रधान आशोक कुमार ने बताया कि 23 अक्टूबर को प्रातः नौ बजे हवन होगा। इसके बाद सुबह 11.15 बजे प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी दिन कमेटी की आय-व्यय का लेखा-जोखा सुनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान शिल्पकला के गुरु भगवान विश्वकर्मा की पूजा की जाएगी।

मुख्य बाजार में अतिक्रमण हटाने पर नगर परिषद व नगर पालिका का दिखावा

शहरी बाजारों में अतिक्रमण ने रोकी ग्राहकों की राह

खानापूर्ति के लिए दो घंटे में हटाने के दिए निर्देश, फिर हटाना भूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

दिवाली त्योहार है। जाहिर है बाजार में भीड़ होगी। इसी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने मुख्य बाजार महावीर मार्ग से दोपहिया वाहनों की नो-एंट्री कर दी है। इसका असर पहले ही दिन दिखाई दिया। वीरवार को दिनभर जहां पुलिस ने दोपहिया वाहनों को अंदर एंट्री नहीं करने दी। नजीजन जाम की स्थिति नहीं बनी। वहीं कुछ दुकानदारों ने इस पुलिस व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर की। दुकानदारों का कहना था कि दोपहिया वाहन को पुरानी कचहरी मैदान में खड़ा करके ग्राहक एक किलोमीटर पैदल उनकी दुकान पर नहीं आ सकता, वह महावीर मार्ग की दुकानों की बजाय अंदरूनी हिस्से वाली मार्केट में पहुंचेगा, इससे उनकी ग्राहकी पर असर पड़ा है।

त्योहार सीजन पार्ट -2

दुकानदारों का कहना था कि दोपहिया वाहन को पुरानी कचहरी मैदान में खड़ा करके ग्राहक एक किलोमीटर पैदल उनकी दुकान पर नहीं आ सकता, वह महावीर मार्ग की दुकानों की बजाय अंदरूनी हिस्से वाली मार्केट में पहुंचेगा, इससे उनकी ग्राहकी पर असर पड़ा है।

महेंद्रगढ़। शॉपिंग कॉम्पलेक्स में दुकानदार द्वारा रोड पर रखा गया सामान। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। महावीर मार्ग पर मुख्य बाजार के एंट्री गेट पर अतिक्रमण हटाने के लिए कहते जेई व एसएचओ। फोटो : हरिभूमि

जिले में लगाए 41 पुलिस नाके

धनतेरस व दीपावली त्योहार को देखते हुए पुलिस विभाग ने जिलेभर में विभिन्न स्थानों मार्केट क्षेत्र, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर 41 जगह नाके लगाए हैं। नाकों पर तैनात किए गए पुलिस कर्मियों को सघन चेकिंग के निर्देश दिए गए हैं। एसपी पूजा वशिष्ठ ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए है कि अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से भीड़ भाड़ वाले बाजारों में नियमित रूप से गश्त करें। संदिग्ध व असामाजिक किस्म के लोगों पर कड़ी निगरानी रखें। भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में लगातार राईडर तथा पैदल गश्त करें। सिविल वर्दी में भी पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए। भीड़ वाली जगहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि पर कानून व्यवस्था व यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए संपूर्ण जिले में पुलिसकर्मियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

खानापूर्ति भरी चेतावनी

ट्रैफिक एसएचओ अनिल कुमार के साथ नगर परिषद से जेई विकास शर्मा महावीर चौक से मुख्य बाजार के एंट्री द्वार पर पहुंचे। यहां दुकानदारों ने सड़क पर सामान रखा था। यह देख जेई विकास शर्मा ने चार दुकानदारों को सामान हटाने को कहा। साथ ही जेई ने कहा कि दो घंटे के अंदर सड़क से सामान हटा लें। यह समय सीमा बीतने के बाद उनकी टीम खुद सामान हटा देंगी। यह खानापूर्ति भरी चेतावनी देकर नगर परिषद की टीम वहां से चली गई। यह बात सुबह साढ़े 11 बजे की है। उसके बाद टीम अतिक्रमण हटाना भूल गई।

जाम में उलझेगा अटेली का बाजार

मंडी अटेली। त्योहारी सीजन में अटेली के बाजार में जाम और भीड़ की समस्या बनेगी। अभी से ही अटेली के मुख्य बाजार के रास्ते पर दुकानदारों द्वारा दुकान के बाहर सामान फैलाना और सड़कों पर गलत तरीके से खड़े वाहन जाम की मुख्य वजह बन चुकी है। नगर पालिका अटेली की ओर से दीपावली को देखते हुए कोई इंतजाम नहीं किए हैं।

बाजार में दुकानदारों ने सड़क पर किया कब्जा

महेंद्रगढ़। त्योहारी सीजन को देखते हुए शहर के बाजारों में दुकानदारों ने अतिक्रमण करना शुरू कर दिया है। शहर के 11 हट्टा बाजार, शॉपिंग कॉम्पलैक्स, शंकर मार्केट, सिनेमा रोड, रेलवे रोड, माता मसानी चौक, सर्राफा बाजार सहित अनेक बाजार में दुकानदारों ने रोड पर टैंट लगाकर दोनों तरफ 10-10 फीट कब्जा कर लिया हैं। रोड पर अतिक्रमण करने के कारण बाजार में आने वाले राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ रहीं है। बाजार में बढ़ते अतिक्रमण को लेकर नगर पालिका की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रहीं है। इसके अलावा दुकानदारों ने नगर पालिका की दीवार के साथ ही करीब 10-10 फीट कब्जा जमाए बैठे है।

नारनौल। अवैध निर्माण हटाती जेसीबी मशीन। फोटो : हरिभूमि

अवैध कॉलोनी में लगाया चेतावनी बोर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला नगर योजनाकार टीम ने वीरवार को बाईपास रोड पर खालसा ढाबे के साथ लगती जमीन पर लगभग 2.5 एकड़ भूमि में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में चेतावनी बोर्ड लगाने कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार किरारोद अफगान में कुछ लोगों की ओर से लगभग 2.5 एकड भूमि में महानिदेशक नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग से बिना लाइसेंस अनुमति लिए अवैध कॉलोनी बनाई जा रही थी। यह कार्रवाई जिला नगर योजनाकार मंदीप सिंह सिहाग की अगुवाई में स्टाफ सदस्यों ने पुलिस बल की मौजूदगी में अमल में लाई।

सड़क हादसे में फेरी लगाने वाले की मौत

नारनौल। शहर के मोहल्ला प्राणपुरा निवासी 71 वर्षीय प्रमोद नामक व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार मोहल्ला प्राणपुरा निवासी 71 वर्षीय प्रमोद फेरी लगाकर गांवों में कपड़े बेचने का काम करता था। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे अपनी मोपेड से जल महल के रास्ते किसी गांव में जा रहा था। इसी दौरान जल महल से थोड़ा आगे तेज रफ्तार पिकअप ने उसको टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह रोड पर गिर गया, जिससे उसको गंभीर चोटें लगी। आसपास के लोगों ने उसको तुरंत उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। वहीं पुलिस को भी इसकी जानकारी दी। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्रमोद को मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजनों को इसकी सूचना दी गई।

मुआवजे और भावांतर को लेकर किसानों ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। क्षेत्र के किसानों ने खराब फसल के मुआवजे देने को लेकर डीसी कैप्टन मनोज कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि बीते दिनों क्षेत्र में काफी बारिश हुई हैं। क्षेत्र के किसानों की खरीफ की फसल में बाजरे की प्रमुख फसल है। बरसात के कारण क्षेत्र के किसानों की बाजरे व कपास की फसल खराब हो गई थी, लेकिन आज तक खराब फसल को लेकर मुआवजा राशि नहीं दी गई। इसके अलावा भावांतर की राशि भी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से स्टे दक्षिणी हरियाणा के जिले से सरकार भेदभाव करती रही है और अब खरीद प्रक्रिया व मुआवजा देने में भी सरकार की उदासीनता दर्शा रही है कि इस सरकार को भी दक्षिणी हरियाणा से कोई सरोकार नहीं हैं। इस मौके पर किसान रामनिवास पाटोदा, अजीत, पोहप सिंह, सुधीर, राजपाल, सतबीर, मुकेश, विपिन आदि मौजूद रहे।

मिठाई की दुकान से लिए 10 सैंपल, भेजे जाएंगे लैब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- सभी दुकान से टीम ने मावा, रसगुल्ला, बर्फी, गुलाब जामुन के सैंपल लिए

दीपावली त्योहार के मद्देनजर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो, इसके लिए खाद्य सुरक्षा विभाग पूरी तरह से सतर्क हो गया है। दीपावली के त्योहार को देखते हुए जिले के शहरी क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की। वीरवार को नारनौल शहर व अटेली क्षेत्र की मिठाई दुकानों से 10 सैंपल लिए गए। जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा जाएगा, रिपोर्ट आने के बाद दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि नारनौल शहर में सिघाना रोड, बालाजी चौक, अटेली कस्बे में मिठाई की दुकान से 10 सैंपल लिए गए। इन सभी दुकान से टीम ने मावा, रसगुल्ला, बर्फी, गुलाब जामुन के सैंपल लिए गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि सभी सैंपल की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि त्योहार के सीजन को देखते हुए आम लोगों को मिलावटी सामग्री से बचाने के लिए दुकानों में सैंपल लिए जा रहें हैं, साथ ही सभी व्यापारियों से गुणवत्ता युक्त और सुरक्षित सामग्री बेचने के निर्देश दिए। साथ हीं उन्होंने दुकानदारों को दुकान में अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। उन्होंने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इन दिनों त्योहारों के मद्देनजर लोग जमकर मिठाइयों व अन्य खाद्य पदार्थों की खरीदारी कर रहे हैं। ऐसे में कुछ दुकानदार अपनी चांदी चमकाने के लिए मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करते हैं। जिससे लोगों के स्वास्थ्य को खतरा होता है। कोई दुकानदार घटिया सामान बेचता पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नारनौल। दीपावली त्योहार के मद्देनजर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो, इसके लिए मिठाई की दुकान से सैंपल लेते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

मैजिक शो या अन्य कार्यक्रम आयोजित करने के लिए लेनी होगी शिक्षा निदेशालय से अनुमति

स्कूलों में बच्चों से पैसे लेकर दिखाए जाने वाले मैजिक शो पर लगाई रोक

- निदेशक माध्यमिक शिक्षा हरियाणा पंचकूला ने उपायुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को जारी किया पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश के स्कूलों में बच्चों से पैसे लेकर दिखाए जाने वाले मैजिक शो व अन्य कार्यक्रमों पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी है। ऐसा करने पर सख्त कार्रवाई किए जाने का प्रावधान होगा। इस बारे में निदेशक माध्यमिक शिक्षा हरियाणा पंचकूला ने एक पत्र भी जारी किया है। जिसमें सख्ती से ऐसा करने के बारे में लिखा गया है। राज्य के सभी राजकीय व निजी विद्यालयों में बिना अनुमति मैजिक शो या किसी भी प्रकार के निजी कार्यक्रमों के आयोजन पर सख्त रोक लगाई है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक जितेन्द्र कुमार की ओर से आदेश जारी किए गए हैं।

शिक्षा विभाग ने पहले भी पत्र क्रमांक 15/129-2009 (5) दिनांक 16 अक्टूबर 2009 तथा 5/223-2016 एचआरजी-1 (2) दिनांक तीन नवंबर 2016 के माध्यम से स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी विद्यालय में छात्रों से राशि एकत्रित कर मैजिक शो आयोजित न किए जाएं। बावजूद इसके, कुछ जिलों में उपायुक्त एवं क्षेत्रीय अधिकारियों की ओर से विद्यालयों में ऐसे कार्यक्रमों की अनुमति दी जा रही थी, जिस पर विभाग ने कड़ा संज्ञान लिया है।

डीसी को भी भेजा पत्र

निदेशालय ने सभी जिला उपायुक्तों, जिला शिक्षा अधिकारियों व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को इन आदेशों की सख्त पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। भविष्य में इन आदेशों की अवहेलना करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नारनौल। शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किया गया पत्र।

विद्यार्थियों से नहीं ली जाएगी फीस

नये आदेश के तहत सभी राजकीय व निजी विद्यालयों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि यदि किसी विद्यालय में मैजिक शो या अन्य कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता हो, तो उसके लिए पूर्व अनुमति शिक्षा निदेशालय से प्राप्त करनी अनिवार्य होगी। साथ ही ऐसे आयोजनों के लिए किसी भी छात्र से फीस या टिकट के पैसे नहीं लिए जाएंगे। ये कार्यक्रम केवल निःशुल्क और शैक्षणिक या स्वास्थ्यवर्धक उद्देश्य से ही आयोजित किए जा सकते हैं, जिससे विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो।

खराब फसल के मुआवजे को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। खराब कपास व बाजरे की फसल का मुआवजे को लेकर बुचौली के किसानों ने लघुसचिवालय में वीरवार को एसडीएम कनिका गोयल को एक ज्ञापन सौंपा है। किसानों ने बताया कि बीते दिनों गांव बुचौली में भारी बारिश होने के कारण बाजरे व कपास की फसल नष्ट हो गई थी, जिसमें उत्पादन की दृष्टि से देखा जाए तो कपास में प्रति एकड़ एक क्विंटल से भी कम उत्पादन हो रहा है तथा ऐसा ही हाल बाजरे में देखा गया है। हमारा गांव बुचौली पूर्ण रूप से कृषि पर आश्रित है। सरकार के वायदे के अनुसार मुआवजे की बात कही गई थी, लेकिन हमारे गांव के पटवारी ने नुकसान 24 प्रतिशत से भी कम दिखाया है। बिना किसी गिरदावरी के किसानों को मुआवजे से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने एसडीएम से मांग की है कि गांव बुचौली में स्पेशल गिरदावरी करके खराबे की जांच करके उचित मुआवजा दिया जाए।इसके अलावा अधिकारी को भी मौके पर भेजकर फसलों का जायजा ले ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। इस मौके पर पंकज राव, जिलेसिंह, गजराज, धर्मपाल, सतीश, वेदपाल, ओमप्रकाश, राहुल व अजय सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

सेलिब्रेशन

चारों ओर जगमगाते दीपक, रंग-बिरंगी लाइट्स की लड़ियां, आतिशबाजी, ऐसा उल्लास से भरा माहौल होता है दीपावली का। लेकिन इस पर्व का असली मजा/आनंद वास्तव में कब आता है, बता रहे हैं टीवी के कुछ चाइल्ड आर्टिस्ट्स। ये आर्टिस्ट्स यह भी बता रहे हैं, इस बार दीपावली कैसे सेलिब्रेट करेंगे?

दीपावली पर जगमगाएं खुशियां

मेरे लिए दिवाली का असली मतलब है परिवार का प्यारा साथ : आयशा विंधारा

सोनी सब के शो 'इत्ती सी खुशी' में चिड़िया का रोल प्ले करने वाली आयशा विंधारा दिवाली का नाम सुनते ही उत्साह से भर जाती है। आयशा दिवाली कैसे सेलिब्रेट करती है, पूछने पर बताती है, 'मैं अपने परिवार के साथ मिलकर दिवाली मनाती हूं। नई ड्रेसेस खरीदती हूं। रंग-बिरंगी लाइट्स और दीयों से घर को सजाती हूं। शाम को मैं और मेरी बहन मिलकर रंगोली बनाते हैं। दिवाली की रात मैं अपने पापा और दोस्तों के साथ पटाखे फोड़ती हूं। दिवाली मेरे लिए अधूरी है, अगर मुझे रसगुल्ला और काजू कतली खाने को नहीं मिले! दिवाली आते ही मेरे मन में एक अलग ही उत्साह भर जाता है।' आयशा आगे कहती है, 'मेरे लिए दिवाली सिर्फ रोशनी, दीये और पटाखों का त्योहार नहीं है। दिवाली का असली मतलब है- परिवार का प्यारा साथ। जब हम सब मिलकर हंसते हैं, खेलते हैं, बातें करते हैं, एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं, मेरे लिए यही सच्ची दिवाली होती है।' इस बार दिवाली पर अपनी खास प्लानिंग के बारे में आयशा बताती है, 'अबकी मैं दीये पेंट करके अनाथालय में बांटने जाऊंगी, ताकि वहां भी दिवाली की रोशनी और मुस्कान बिखरे। मैं अपने घर में बड़ी-सी रंगोली बनाऊंगी। और हां, इस बार मेरा बर्थ-डे भी दिवाली के आस-पास है, तो इस बार मेरे लिए दिवाली की खुशी दोगुनी है!' आयशा 'बालभूमि' के सभी दोस्तों को दिवाली का मैसेज देते हुए कहती है, 'दिवाली पर हम सभी घर सजाएं, दीये जलाएं। पटाखे कम फोड़ें ताकि पॉल्यूशन कम हो। मिठाई खाएं और बांटें। हम इस खूबसूरत त्योहार को प्यार और मुस्कान के साथ मनाएं।' *

खुशियां बांटने का त्योहार है दिवाली एकांश काथरोटिया

सोनी सब पर हाल ही में शुरू हुए शो 'गणेश कार्तिकेय' में एकांश काथरोटिया, विघ्नहर्ता भगवान गणेश की भूमिका निभा रहा है। दिवाली उसका पसंदीदा त्योहार है।

एकांश कहता है, 'दिवाली खुशियों का त्योहार है। इस दिन हम नई ड्रेसेस पहनते हैं, मिठाइयां खाते हैं, बांटते भी हैं। दिवाली पर रंगोली बनाते हैं, दीये जलाते हैं, ईको-फ्रेंडली पटाखे और फुलझड़ियां जलाते हैं। माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं, दिवाली पर खुशियां मनाने के साथ-साथ हम अपनों के साथ खुशियां बांटते भी हैं।' एकांश के लिए दिवाली के क्या मायने हैं, वह बताता है, 'दिवाली के दिन भगवान श्रीराम रावण का वध करके और अपना वनवास पूर्ण करके अयोध्या लौटे थे। तब उनके स्वागत में पूरा अयोध्या दीपों से सजाया गया था, लोगों को अपार खुशी मिली थी। मेरे लिए दिवाली बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है।' इस बार दिवाली सेलिब्रेशन को लेकर अपनी प्लानिंग के बारे में एकांश चहकते हुए बताता है, 'अभी कुछ समय पहले ही हमारा सीरियल 'गणेश कार्तिकेय' ऑन एयर हुआ है। मेरे लिए तो दिवाली शुरू हो गई है। मैं इस दिवाली बहुत उत्साहित हूं। इस बार मैं सीरियल के सेट पर अपने को-स्टार्स के साथ दिवाली सेलिब्रेट करूंगा।' एकांश का 'बालभूमि' के दोस्तों को मैसेज है, 'अपने नन्हे प्यारे दोस्तों से मैं दिल से कहना चाहता हूं कि दीपावली का यह त्योहार आपके जीवन में खुशियां, समृद्धि लाए। माता लक्ष्मी का आशीर्वाद आप सबके साथ हमेशा बना रहे। हैप्पी दिवाली!' *

दिवाली पर हर किसी के चेहरे पर हो स्माइल-हो ब्राइटनेस : आर्यन प्रजापति

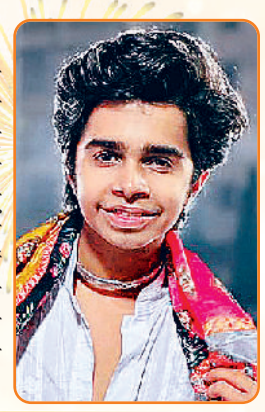

एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन-पलटन' में ऋतिक की भूमिका निभा रहे आर्यन प्रजापति का नटखट अंदाज सबको खूब भा रहा है। ऋतिक को दिवाली का त्योहार बहुत पसंद है। वह दिवाली की तैयारी और इसके सेलिब्रेशन के बारे में बताता है, 'दिवाली आते ही सबसे पहले हम लोग घर की साफ-सफाई में जुट जाते हैं। मैं अपने कमरे को लाइट्स और पोस्टर्स से डेकोरेट करता हूं। पापा के साथ मिलकर दीये सजाता हूं। दिवाली के मौके पर मम्मी के हाथों से बनी मिठाई खाना बहुत अच्छा लगता है। रात को पूजा होती है फिर सेल्फी टाइम!' आर्यन के लिए दिवाली सिर्फ एक त्योहार भर नहीं है, वह कहता है, 'दिवाली का मतलब है, टेंशन भूलकर दोस्तों और फैमिली के साथ एंज्वॉय करो।' आर्यन की नजर में दिवाली साथ-साथ खुशियां बांटने का त्योहार है। वह बताता है, 'मैं और मेरी सिस्टर मिलकर गरीब बच्चों को कपड़े और मिठाई बांटते हैं। हम इनके घर जाकर इनके साथ दीये भी जलाते हैं। उनकी मुस्कान देखकर लगता है, हमारी दिवाली डबल स्पेशल हो गई।' 'बालभूमि' के दोस्तों को आर्यन मैसेज देता है, 'गाइज, दिवाली खूब एंज्वॉय करो, लेकिन सेफ्टी और नेचर का भी ध्यान रखो। दिवाली का असली मजा तब है, जब हर किसी के चेहरे पर ब्राइटनेस हो, स्माइल हो।' *

प्रस्तुतिः बालभूमि फीचर्स

लेक बीवा फायरवर्क फेस्टिवल, जापान

न्यू ईयर ईव फायरवर्क, चीन

दुनिया की मशहूर आतिशबाजियां

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चो, भारत में शानदार जोरदार आतिशबाजी दीपावली के अवसर पर देखी जाती है। विदेशों में भी अलग-अलग अवसरों पर आतिशबाजी से जुड़े बहुत ही मनमोहक आयोजन होते हैं। जानो, दुनिया के कुछ मशहूर आतिशबाजी इवेंट्स के बारे में।

मॉन्ट्रियल इंटरनेशनल फायरवर्क कॉम्पिटिशन, कनाडाः यह दुनिया की सबसे बड़ी आतिशबाजी प्रतियोगिता है। यहां बेहतरीन म्यूजिक के साथ-साथ शानदार आतिशबाजी का कॉम्पिटिशन आयोजित किया जाता है। विजेताओं को ट्रॉफी दी जाती है। महीने भर तक चलने वाले इस उत्सव में

दूर-दूर से लाखों लोग आते हैं। वैसे तो इसे देखने के लिए टिकट लेना पड़ता है, लेकिन सेंट लॉरेंस नदी या माउंट रॉयल पार्क के पास से इसे मुफ्त में भी देखा जा सकता है।

लेक बीवा फायरवर्क फेस्टिवल, जापानः जापान की सबसे बड़ी झील लेक बीवा में अगस्त माह में आतिशबाजी का शानदार शो आयोजित किया जाता है। उत्सव के दौरान 10,000 रंग-बिरंगी आतिशबाजी होती है। इस रंग-बिरंगी आतिशबाजी का प्रतिबिंब जब झील के पानी में पड़ता है तो देखने में बहुत ही मनोहरी लगता है। इस शानदार शो को देखने के लिए 3 लाख से ज्यादा लोग आते हैं। लेक बीवा फायरवर्क फेस्टिवल की हर साल एक नई थीम प्लान की जाती है।

दुबई न्यू ईयर ईव फायरवर्क्स, यूएई : दुबई में न्यू ईयर के मौके पर रोशनी और पटाखे दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा से चलाए जाते हैं। इसलिए दुबई में कहीं से भी इस आतिशबाजी की चमक देखी जा सकती है। बुर्ज खलीफा के नीचे खड़े होकर इस आतिशबाजी को देखना बहुत रोमांचक अनुभव होता है। आतिशबाजी के अलावा यहां लेजर बीम शो और एलईडी लाइट्स का अनूठा नजारा भी देखने को मिलता है।

न्यू ईयर ईव फायरवर्क, चीनः चीन के लोग नववर्ष के अवसर पर खूब पटाखे चलाते हैं। अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक यह जनवरी और फरवरी के बीच पड़ता है। इस अवसर पर ड्रैगन और अन्य कई शेप्स की आतिशबाजी की जाती है। यहां की मान्यताओं, परंपराओं और प्रतीकों के आधार पर भी आतिशबाजी तैयार की जाती है। इस अवसर पर चीन के लोग देवताओं की पूजा करते हैं और अपने पूर्वजों को याद करते हैं।

न्यूयॉर्क में स्वतंत्रता दिवस पर आतिशबाजी, अमेरिकाः अमेरिका में 4 जुलाई यानी अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस का दिन यहां के सभी बड़े शहरों

में आतिशबाजी का अवसर होता है। खासतौर से न्यूयॉर्क सिटी में हडसन नदी में कई नौकाओं से तरह-तरह की आतिशबाजी की जाती है। लगभग 25 मिनट तक चलने वाले इस इवेंट में हजारों तरह की आतिशबाजी की जाती हैं। *

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

दीप जले दिवाली के!

नन्हे-नन्हे प्यारे-प्यारे
दीप जले दिवाली के!
दूर भगाने को अंधियारा,
जग में लाने को उजियारा,
आंगन-आंगन, द्वारे-द्वारे
दीप जले दिवाली के!
भेदभाव का नाम न इनमें,
बैर-द्वेष का काम न इनमें,
झिलमिल-झिलमिल, हिलमिल सारे
दीप जले दिवाली के!
मोह रहे हर प्राणी का मन,
कितने उज्ज्वल, कितने पावन,
सुंदर-सुंदर, सजे-संवारे
दीप जले दिवाली के!
दीपों जैसा जीवन कर लें,
उजियारे को मन में भर लें,
भोले-भोले, प्यारे-प्यारे
दीप जले दिवाली के!

हंसगुल्ले

मोनूः यार, मेरे जैसे लंबी हाइट वाले लड़कों के लिए दिवाली काफी थका देने वाली होती है।
सोनूः आखिर क्यों?
मोनूः क्योंकि जब भी ऊंचाई वाली दीवार को साफ करना होता है या फिर कमरे की छत पर लगा जाला साफ करना होता है। मम्मी झट से मुझे बुला लेती हैं। सारा दिन सफाई करते-करते निकल जाता है।

-सौम्या, रोहतक

सोहनः देखो, आज मेरे पास सुतली बम है, पटाखे, फुलझड़ी, अनार, रॉकेट सब कुछ है। तुम्हारे पास क्या है?
मोहनः मेरे पास वह है, जो मैं लगा दूं तो सब खत्म समझो।
सोहनः ऐसा क्या है तुम्हारे पास?
मोहनः माचिस!

-विकास, बिलासपुर

जीके क्विज-175

1. साल 2025 के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार किसे मिला है?
2. इस वर्ष शांति का नोबेल पुरस्कार पाने वाली मारिया कोरिना मचाडो किस देश की नागरिक है?
3. दीपावली का पर्व किस हिंदी महीने में मनाया जाता है?
4. विश्व का सबसे गहरा महासागर कौन-सा है?
5. रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की थी?
6. मानव शरीर की सबसे छोटी अस्थि (बोन) का नाम क्या है?
7. आर्य समाज की स्थापना किसने की थी?
8. अंतरिक्ष की दूरी मापने के लिए किस इकाई का प्रयोग किया जाता है?
9. एफिल टावर कहां स्थित है?
10. 'गीता रहस्य' नामक पुस्तक किसने लिखी है?

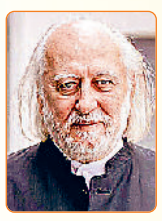

बच्चों, जीके क्विज-175 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-174 का उत्तर : 1.अभिषेक शर्मा, 2. बालोद, 3.उत्तराखंड, 4.जीजाबाई, 5. 24 अक्टूबर, 6.गुग्लिल्मो मार्कोनी, 7.विटामिन के, 8.लैक्टिक एसिड, 9.भुवनेश्वर, 10.राजस्थान

जीके क्विज-174 का सही उत्तर देने वाले : निखिल-महासमुंद, अंजलि-दुर्ग, आन्या-दुर्ग, कबीर-हिसार, आशुतोष-रायपुर, कमल-बिलासपुर, राजन-भोपाल, शिखर-बालोद, जतिन-दिल्ली, कुसुम-बेमेतरा, सोहम-कांकेर

कहानी

हरीश कुमार 'अमित'

अलग तरह की दिवाली

तीन महीने पहले ही अंशुल के दोस्त सौरभ के पापा का देहांत हुआ था। इसलिए सौरभ बहुत ज्यादा उदासी से घिरा हुआ था। अंशुल ने दिवाली के दिन उसके घर जाकर कुछ ऐसा किया कि सौरभ के चेहरे पर छायी उदासी छंट गई। अंशुल को भी लगा, उसकी यह दिवाली बहुत अलग रही, यादगार बनी।

दिवाली का दिन था। वातावरण में त्योहार का उल्लास छाया था। अंशुल भी बहुत खुश था, क्योंकि दिवाली का त्योहार उसे बहुत भाता था। शाम के समय वह मम्मी-पापा के साथ बाजार की रौनक देखकर घर लौटा तो उसने देखा कि पड़ोस में रहने वाले उसके दोस्त सौरभ के घर में न कोई रोशनी और न कोई सजावट की हुई है। घर के अंदर से कोई आवाज भी नहीं आ रही थी। ऐसा लग रहा था, जैसे उस घर में कोई रहता ही न हो। अंशुल को मालूम था, तीन महीने पहले सौरभ के पापा नहीं रहे थे। एक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। सौरभ अपनी मम्मी के साथ उस घर में रहता है। अंशुल ने हैरानी से पापा से पूछा, 'पापा, सौरभ के घर में कोई रोशनी क्यों नहीं की गई है? क्या इन्होंने दिवाली नहीं मनानी?'

'बेटा, सौरभ के पापा नहीं रहे न, इसलिए इस बार ये लोग दिवाली नहीं मनाएंगे।' पापा का जवाब सुनकर अंशुल को धक्का-सा लगा। घर के अंदर आकर भी वह सौरभ के बारे में ही सोचता रहा। उसके बारे में सोच-सोच कर उसका मन दुखी होने लगा। उसने अपने मम्मी-पापा से कहा, 'क्यों न हम थोड़ी देर के लिए सौरभ के घर जाएं और साथ में थोड़ी मिठाई, फुलझड़ियां और मोमबत्तियां भी ले जाएं।'

अंशुल की बात सुनकर मम्मी बोलीं, 'इस साल उनको दिवाली नहीं मनानी है, इसलिए न तो वे मोमबत्तियां, फुलझड़ियां जलाएंगे और न ही मिठाई खाएंगे।' यह सुनकर अंशुल सोच में पड़ गया फिर बोला, 'तो ठीक है, मैं ऐसे ही उनके घर चला जाता हूं, थोड़ी देर के लिए।'

अंशुल तुरंत ही सौरभ के घर चला गया और दरवाजे की घंटी बजाई। दरवाजा सौरभ की मम्मी ने खोला। अंशुल ने उनसे सौरभ के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया, 'वह अपने कमरे में है।' अंशुल घर के अंदर जाकर सौरभ के कमरे में गया तो उसने देखा कि वह चुपचाप बिस्तर पर लेटा हुआ है। बहुत उदास दिख रहा था। उसकी आंखें देखकर ऐसा लग रहा था मानो थोड़ी देर पहले रोया है। तभी सौरभ की मम्मी भी वहां आ गईं, अंशुल से बोलीं, 'यह सौरभ तो अपने पापा के बिना बहुत उदास रहता है। आज दिवाली के दिन तो उनको याद करके और भी ज्यादा दुःखी-उदास है। पिछले साल इसके पापा के साथ हम लोगों ने बड़ी धूमधाम से दिवाली मनाई थी, लेकिन क्या पता था कि वह उनकी आखिरी दिवाली है।' मम्मी ने अंशुल को बिस्तर के पास रखी कुर्सी पर बैठने को कहा। वह कुर्सी पर बैठ गया तो मम्मी कमरे से बाहर चली गईं। सौरभ बिस्तर से उठकर बैठ गया, लेकिन वह अब भी बहुत गुमसुम सा था।

अंशुल ने उससे बात करने की कोशिश की। शुरू में तो सौरभ ने बातचीत में कोई रुचि नहीं दिखाई, लेकिन अंशुल ने अपनी कोशिश जारी रखी। धीरे-धीरे सौरभ खुलने लगा और फिर अंशुल से बातचीत करने लगा। अंशुल ने उससे स्कूल, पढ़ाई, दोस्तों आदि के बारे में तरह-तरह की बातें कीं। सौरभ को क्रिकेट का बहुत शौक था। अंशुल ने उससे क्रिकेट के बारे में भी बातें कीं। इस बातचीत से सौरभ का मन हल्का होने लगा। उसके चेहरे पर छाई उदासी मिटने लगी। यह देखकर अंशुल को बहुत अच्छा लग रहा था। तभी मम्मी फलों की चाट बनाकर ले आईं। दोनों के आगे चाट की एक-एक प्लेट रख दी। पहले तो सौरभ ने कहा कि उसका मन नहीं है, वह नहीं खाएगा, लेकिन जब मम्मी और अंशुल ने उसे खाने के लिए बार-बार कहा, तो वह चाट खाने लगा। अंशुल ने भी चाट खाई। धीरे-धीरे सौरभ का मन ठीक होता जा रहा था। अंशुल सौरभ के पास काफी देर तक बैठा रहा। रात के नौ बज गए तो अंशुल अपने घर जाने के लिए उठ खड़ा हुआ। सौरभ का मन अब तक हल्का हो चुका था। वह सामान्य दिख रहा था। वह अंशुल को अपने घर के दरवाजे तक छोड़ने आया। अंशुल अपने घर पहुंचा तो बहुत खुश था। मम्मी-पापा उसके लौटने का इंतजार कर रहे थे। अपने घर में दिवाली मनाते हुए अंशुल को लग रहा था, सौरभ के घर जाकर, उसके साथ कुछ समय बिताकर उसकी उदासी दूर करने की खुशी दिवाली मनाने की खुशी से ज्यादा बड़ी है। इस बार की उसकी दिवाली बहुत अलग तरह की रही। *

कविता

राकेश सोहम

दिवाली का त्योहार

धूम-धड़ाम से गूंजी बस्ती
दीयों का है उजियारा,
देखो राजू, पिंटू, चीकू
दिवाली का त्योहार आया।
सफाई का साम्राज्य हुआ
घर-घर की हुई सफाई,
लक्ष्मी पूजन हुआ घरों में
सबको बांटी गई मिठाई।
दीप जलाए घर-आंगन में
अंधियारा है शरमाया,
फुलझड़ी पटाखे बम चलाते
सबका मन है हर्षाया।
आज के दिन से सीख सीखना
मन के दीप जलाना,
अंधियारे-सी हर बुराई को
मन से दूर भगाना।

रंग भरो-187

रंग भरो-187 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

माही, महासमुंद

राजनंदिनी, रायपुर

वासनी, रायपुर

प्रियांशी, धमतरी

आशना, जांजगीर

आन्या, दुर्ग

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, महेंद्र-भोपाल, जितेंद्र-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, दिनेश-करनाल, विनोद-बिलासपुर, इमली-कोरबा

रंग भरो 188

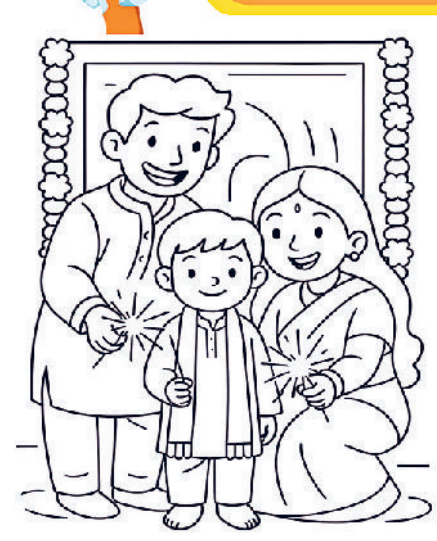

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में एक बच्चा अपने पापा-मम्मी के साथ दिवाली मना रहा है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य विभाग के दिशा निर्देशों एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में मनाए जा रहे राष्ट्रीय सीपीआर जागरूकता सप्ताह के तहत जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से राजकीय पीजी महाविद्यालय महेन्द्रगढ़ व राजकीय महिला महाविद्यालय महेन्द्रगढ़ में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अटेली स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत दो दिवसीय परामर्श एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें गेस्ट ऑफ ऑनर खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार थे। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार व प्राचार्य राकेश कुमार ने दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एपीसी डॉ. विक्रम यादव, हिंदी प्रवक्ता भागेंद्र कुमार, रिसोर्सपर्सन जोगेंद्र कुमार, रिसोर्सपर्सन अनु, विशेष अध्यापक अशोक कुमार, बृजेश कुमार, अनीता कुमारी मौजूद रहे।

जिलेभर के 31 सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के लगभग 300 बच्चों ने लिया भाग

जिला स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

बच्चों ने अपने सशक्त अभिनय से समाज में फैली कुरीतियों पर कड़ा कटाक्ष किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बाल भवन में आयोजित छह दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता की श्रृंखला के चौथे दिन वीरवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर एकांकी, रंगमंच का नाटक चतुर्थ ग्रुप, सोलो सोंग द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ ग्रुप, भाषण तृतीय व चतुर्थ ग्रुप प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें जिलेभर के 31 सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के लगभग 300 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एकांकी रंगमंच का नाटक चतुर्थ ग्रुप प्रतियोगिता में बच्चों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, देश भक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने सशक्त अभिनय से समाज में फैली कुरीतियों पर कड़ा कटाक्ष किया और दर्शकों को जागरूक किया। सोलो सोंग द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ ग्रुप में स्कूली बच्चों ने हरियाणवी, राजस्थानी, पंजाबी फोक सॉन्ग, क्लासिकल सॉन्ग, देशभक्ति गीतों व भजनों की शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया और उपस्थित सभी दर्शकों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ समाज में जागरूकता लाने का भी कार्य करती हैं। उन्होंने बताया कि एकांकी रंगमंच का नाटक के प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागी आगे डिवीजनल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे जबकि भाषण विजेता सीधे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र व छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

मंत्रमुग्ध हो गए श्रोता

भाषण तृतीय व चतुर्थ ग्रुप प्रतियोगिताओं में बच्चों ने देशभक्ति व राष्ट्रीय निर्माण, बाल मजदूरी, महिला सशक्तिकरण, भारत के लिए मेरा दृष्टिकोण, आपदा प्रबंधन, खेलों में हरियाणा की भूमिका, भारत में चुनाव प्रणाली जैसे समसामयिक विषयों पर अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया, जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने शिक्षकों, अभिभावकों और छात्र छात्राओं का स्वागत करते हुए बच्चों के प्रयासों की सराहना की।

निर्णायक की भूमिका

इस अवसर पर मंदीप यादव, मनीषा सैनी, डॉ. कुसुमलता, वन्दना शर्मा, ललित कुमार ने संगीत प्रतियोगिता व डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, नरोत्तम सोनी, डॉ. संजय शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, जितेन्द्र कुमार व रामगोपाल ने भाषण प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई।

परिणाम

एकांकी रंग मंच नाटक चतुर्थ ग्रुप में आरपीएस स्कूल कनीना प्रथम, बीपीएस स्कूल द्वितीय, आरपीएस महेन्द्रगढ़ तृतीय, सांत्वना सूरज स्कूल महेन्द्रगढ़, सोलो सॉन्ग द्वितीय ग्रुप हर्षिता आरपीएस स्कूल प्रथम, प्रियांसी सूरज स्कूल द्वितीय, मयंक आरपीएस स्कूल महेन्द्रगढ़ तृतीय, सांत्वना प्रथम मानवी यदुवंशी थनवास, सांत्वना द्वितीय साक्षी डीएवी स्कूल नारनौल। रसोलो सॉन्ग तृतीय ग्रुप रिशिका आरपीएस स्कूल महेन्द्रगढ़ प्रथम, नव्या गुप्ता बीपीएस द्वितीय, जानवी यदुवंशी स्कूल तृतीय, सांत्वना प्रथम निमिश शर्मा सीएल पब्लिक स्कूल, सांत्वना द्वितीय रुचिका श्रीकृष्ण स्कूल नांगल चौधरी, भाषण तृतीय ग्रुप में नव्या राव आरपीएस स्कूल प्रथम, सच्ची कुमारी विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर द्वितीय, शीतल बीपीएस तृतीय, सांत्वना प्रथम लिशा आरपीएस स्कूल महेन्द्रगढ़, सांत्वना द्वितीय अक्षरा डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, भाषण चतुर्थ ग्रुप में यशस्वी आरपीएस स्कूल महेन्द्रगढ़ प्रथम, सपना सूरज स्कूल महेन्द्रगढ़ द्वितीय, दिशा आरपीएस तृतीय, सांत्वना प्रथम अंजली बीपीएस स्कूल, सांत्वना द्वितीय नंदिनी यादव यूरेका पब्लिक स्कूल रही।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पचेरी बड़ी स्थित सिंघानिया विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के संस्थापक दिवंगत डीसी सिंघानिया के जन्मदिन के उपलक्ष्य में संस्थापक दिवस समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम उनकी प्रेरणादायक विचारधारा, शिक्षा के प्रति समर्पण और समाजसेवा की भावना को समर्पित रहा। समारोह का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि द्वारा पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए किया गया, जिसके पश्चात सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ हुआ। विवि अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने अपने स्वागत भाषण में डीसी सिंघानिया की उपलब्धियों, उत्कृष्ट शैक्षणिक दृष्टि और विश्वविद्यालय की प्रगतिशील शैक्षणिक सुविधाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्यातिथि राजस्थान के जीएसटी आयुक्त अनुज गोगिया ने कहा कि मरुस्थलीय क्षेत्र में डीसी सिंघानिया द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय छात्रों के लिए उन्नत शिक्षा का सशक्त केंद्र बन चुका है। संस्था चेयरमैन रवि सिंघानिया ने कहा कि वे अपने पिता की विरासत उद्देश्य के साथ शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नारनौल। अतिथियों का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस सम्मान समारोह में मुख्य रूप से मूर्तिकार मातूराम, एडवोकेट संतोष यादव, समाजसेवी डॉ. मधुसूदन मलानी, सेवानिवृत्त सीबीआई न्यायधीश राकेश यादव, वेदप्रकाश, एडवोकेट दीपक यादव, छज्जूराम रावत, कैप्टन इंद्राज सिंह, कैप्टन कैलाश चंद, रूपराम, मुख्तियार सिंह लांबा, सत्यपाल यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हैप्पी स्कूल में दीवाली मेला आयोजित

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्री-प्राइमरी विंग में शुक्रवार को दिवाली मेले का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर दीपों की जगमगाहट और बच्चों की मुस्कान से सराबोर नजर आया। छोटे-छोटे बच्चों की प्रतिभा और उत्साह ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, संचालक सुभाषचंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर मेले का शुभारंभ किया। मेले में विद्यार्थियों ने अपने उत्साह और रचनात्मकता से विविध आकर्षक स्टॉल लगाए, जिनमें पानी पुरी, छोले-कुलचे, भेलपुरी, पिज्जा, पास्ता, केक-पेस्ट्री, चाट-पापड़ी, खिलौने, रंगोली डिजाइन, दीप सजावट जैसे अनेक स्टॉल प्रमुख आकर्षण का केंद्र बने। रिंग गेम, बैलून शूट, स्पिन द व्हील्ह, टॉस द ग्लास जैसी गतिविधियों ने जोश भर दिया।मेले का संचालन विंग प्रभारी रेखा राघव के नेतृत्व में किया गया। मुख्यातिथि ने सभी स्टॉल्स का भ्रमण किया, विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग भावना और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करते हैं। उमंग दिवाली मेला खुशियों की रोशनी और बच्चों की प्रतिभा का संगम है।

मॉडर्न स्कूल में हुई सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता

तीन स्तर में करवाई गई स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता तीन स्तर में करवाई गई। प्रथम स्तर की प्रतियोगिता कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के बीच करवाई गई। दूसरे स्तर की प्रतियोगिता कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के बीच करवाई गई। इसी प्रकार तीसरे स्तर की प्रतियोगिता कक्षा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों के बीच करवाई गई। प्रथम स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंश कक्षा पांचवी, दूसरा स्थान कक्षा चौथी तथा तीसरा स्थान चंचल कक्षा पांचवी ने प्राप्त किया। दूसरे स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान युग कक्षा सातवीं, दूसरा स्थान तन्वी कक्षा सातवीं तथा तीसरा स्थान सन्नी कक्षा सातवीं ने प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा तीसरे स्तर की प्रतियोगिता में हितेश कक्षा 12वीं कला संकाय ने प्रथम स्थान, निशा कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय तथा तीसरा स्थान रिया कक्षा 10वीं ने प्राप्त किया।

प्रथम स्तर की प्रतियोगिता में अंश ने मारी बाजी

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बधाई दी

स्कूल स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी खंड स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। सड़क सुरक्षा की प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को संस्था निदेशक राजकुमार, हवासिंह यादव, प्रबंधन समिति सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार ने बधाई दी।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हेरिटेज स्कूल दीया मेकिंग व रंगोली कार्यक्रम

नारनौल। उप मंडल कनीना में स्थित हेरिटेज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोहनपुर में दीपावली के पावन पर्व को ध्यान में रखते हुए दीया मेकिंग व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने सुंदर उीपक सजाए। इसमें बच्चों ने बड़े ही सुंदर मनमोहक लुभाने वाले दीपक सजाकर सभी का मन मोह लिया। जिसमें यूकेजी कक्षा से आराधना पुत्री सुरेंद्र कुमार, हनीष पुत्र मुकेश, युग पुत्र जितेंद्र, नमन पुत्र हनुमान, अवनी पुत्री देवेंद्र, निधि पुत्री दिनेश, समीर पुत्र सतीश ने सुंदर दीपक सजाए। रंगोली प्रतियोगिता में चंचल पुत्री रतन सिंह, पूजा पुत्री प्रदीप, एकता पुत्री संजय प्रथम, पलक पुत्री रवि, दीक्षित पुत्री अमित द्वितीय, लक्षिता पुत्री अशोक, मोनिका पुत्री बॉक्सिंग रिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा ने बच्चों को बधाई दी और उन्हें अपनी प्रतिभाओं में और मेहनत करके सफलता प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर विद्यालय के सीईओ कैलाश शर्मा, मनीष कुमार, डायरेक्टर खुशीराम शर्मा, प्रधानाचार्य कृष्ण सिंह, सीनियर कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार, जूनियर कोऑर्डिनेटर सुमन आदि मौजूद थे।

यदुवंशी डिग्री कॉलेज का वॉलीबाल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय द्वारा आरपीएस कॉलेज बलाना में आयोजित अंतर महाविद्यालयीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में यदुवंशी डिग्री कॉलेज की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया है। प्रतियोगिता में कुल 10 टीम ने भाग लिया। पहले मैच में यदुवंशी और आरबीएस जैनाबाद के बीच रहा, जिसमें यदुवंशी कॉलेज टीम विजय रही। दूसरे मैच में यदुवंशी और आरपीएस सीईटी बलाना के बीच रहा, जिसमें यदुवंशी कॉलेज विजय रहा है। तीसरे मैच में यदुवंशी कॉलेज और छिल्लरो कॉलेज के बीच रहा, जिसमें यदुवंशी विजेता रहा और चौथे मैच में यदुवंशी कॉलेज और आरपीएस कॉलेज के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। यदुवंशी कॉलेज की टीम ने अपने उम्दा खेल कौशल से प्रतिद्वंदी टीम को कड़ी टक्कर देते हुए उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। टीम में प्रमुख खिलाड़ी पारुल, निर्मल, विकास, दीपक और नरेश ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। कॉलेज लौटने पर यदुवंशी डिग्री कॉलेज चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को बढ़ाता है।

महेंद्रगढ़। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस डिग्री कॉलेज में मनाया दीवाली उत्सव

कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना में दीपावली पर दीये की महफिल-कला संगीत और रोशनी का संगम की थीम पर दिवाली फेस्ट का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कॉलेज परिसर को रंग-बिरंगी सजावट, रंगोली और दीपों की रोशनी से सजाया गया था, जिससे पूरा माहौल उत्सवी रंग में रंग गया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज परिसर में फूड स्टॉल, स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी, हस्तनिर्मित दीयों और सजावटी वस्तुओं के स्टॉल लगाए गए, जहां विद्यार्थियों ने न केवल अपनी कला और नवाचार का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम की श्रृंखला ने वातावरण को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। संस्थान चेयरपर्सन पवित्रा राव ने कहा कि दीवाली केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, संस्कृति और रचनात्मकता का उत्सव भी है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

सकारात्मक पहल

प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह ने इसे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव ने कहा कि इस कार्यक्रम ने छात्रों में आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता की भावना को और मजबूत किया है। रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जिंदल ने कहा कि वे परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय कर रहे हैं। डीन डॉ. हेमंत कुमार ने कहा कि यह फेस्ट छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करता है, जहां वे अपनी छिपी प्रतिभा को निखार सकते हैं। कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

नारनौल। श्रीकृष्ण स्कूल के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बाल महोत्सव के विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बाल भवन में आयोजित जिला स्तरीय बाल महोत्सव में अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस महोत्सव में जिले के लगभग 40 स्कूलों से 550 बच्चे भाग ले रहे है। बाल भवन में आयोजित जिला स्तरीय बाल महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। सम्मान समारोह में बाल महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि इन विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने व अपने कौशल को विकसित करने का अवसर मिलता है।

आरपीएस डिग्री कॉलेज में विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज के भौतिकी विभाग ने वीरवार को नैनो टेक्नोलॉजी और इसके अनुप्रयोग पर एक विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। राजकीय महिला महाविद्यालय बवानी खेड़ा भिवानी के सहायक प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार ने नैनो टेक्नोलॉजी और इसके अनुप्रयोग पर एक गहन व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष पवित्रा राव, निदेशक डॉ. महेश यादव, प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह कादियान, डॉ. अर्चना साहू, डॉ. गंगवार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. ज्योति यादव, डॉ. कविता चौहान, सोमवीर, सचिन और सोनू उपस्थित थे। डॉ. कुमार ने नैनो टेक्नोलॉजी को एक बहु-विषयक क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत किया जो नैनोस्केल (1-100 नैनोमीटर) पर पदार्थों का उपयोग करता है और अद्वितीय गुणों और अनुप्रयोगों को संभव बनाता है। इस व्याख्यान ने नैनो टेक्नोलॉजी की विशाल क्षमता का व्यापक अवलोकन प्रदान किया और छात्रों को इसके अनुप्रयोग और भविष्य की संभावना से प्रेरित किया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को भौतिकी, पदार्थ विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना था, साथ ही प्रकाशिकी और नैनो प्रौद्योगिकी के नवीन अनुप्रयोग को बढ़ावा देना था।

महेंद्रगढ़। अतिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में इंग्लिश क्वीज कंपटीशन आयोजित

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में इंग्लिश क्वीज कंपटीशन आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, अंग्रेजी भाषा के प्रति रुचि और त्वरित सोचने की योग्यता को परखने के उद्देश्य से आयोजित की गई। प्रतियोगिता का संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता अमित, सुजान यादव, उर्मिला तथा पूनम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उनके नेतृत्व में छात्रों ने भाषा की दुनिया में अपने ज्ञान का सुंदर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल शब्दों का जादू बिखेरा, बल्कि अपनी तीव्र बुद्धि और आत्मविश्वास से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम में छात्रों ने प्रश्नों के उत्तर त्वरित गति से देकर यह साबित किया कि अंग्रेजी भाषा केवल एक विषय नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की कला है। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य रामवीर यादव ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सोचने और समझने की शक्ति का आधार है। चेयरमैन रूपराम यादव ने कहा कि अंग्रेजी भाषा आज के युग की आवश्यकता है और इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होती हैं।

स्पर्धा | **प्रतियोगिता में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से संबंधित विद्यालयों ने भाग लिया**

जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई

स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया

प्रतियोगिता में आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा, बालाजी स्कूल भुंगरका, गुरु द्रोणाचार्य स्कूल, आरआर ग्रीन मैक्स वर्ल्ड स्कूल खेड़ी तलवाना व पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली की टीम प्रथम पांच स्थान पर रही। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, आरपीएस स्कूल के प्रिंसिपल किशोर तिवारी व जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोतरी के नोडल अधिकारी जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र अग्रवाल ने विजेता टीमों के विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा काउंसिल ऑफ साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के तत्वावधान में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आरपीएस स्कूल महेंद्रगढ़ में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से संबंधित विद्यालयों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारूप के अनुसार सभी टीमों ने रिटन टेस्ट में भाग लिया। जिसमें आठ टीमों का ओरल क्विज के लिए चयन किया गया। चयनित टीमों का ओरल क्विज चार राउंड्स में आयोजित किया गया। पहला राउंड बहुविकल्पीय क्वेश्चन राउंड रहा, जिसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, मैथमेटिक्स आधारित प्रश्न पूछे गए। दूसरा राउंड एक्टिविटी राउंड रहा। जिनमें विज्ञान की गतिविधियों पर आधारित प्रश्न पूछे गए। तीसरा राउंड विजुअल राउंड रहा। जहां विज्ञान के विभिन्न चित्रों पर आधारित प्रश्न पूछे गए तथा अंतिम राउंड रैपिड फायर राउंड रहा। जिसमें विद्यार्थियों की मानसिक तीव्रता का आकलन किया गया और इस राउंड में विद्यार्थियों से त्वरित प्रश्न पूछे गए। ओरल क्विज के माध्यम से ग्रुप बी के अंतर्गत पांच टीमों का जिला स्तर पर चयन किया गया। विजेता टीम जोनल स्तरीय क्विज कंपटीशन में भागीदारी करेगी।

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

प्रशंसा की

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि इस तरह की प्रतिस्पर्धाओं से विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर होता है। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र अग्रवाल ने विद्यार्थियों को जोनल स्तर पर होने वाली क्विज के बारे में विस्तार से बताया और कार्यक्रम के सफल आयोजन पर स्कूल मैनेजमेंट व क्विज मास्टर गुरदीप, डॉ. योगेंद्र, डॉ. विक्रम यादव, सुशील सैनी के प्रयासों की प्रशंसा की।

PUBLIC NOTICE

I Balbeer Singh S/o Moola Ram Village Rasulpur Tehsil Buhana Distt Jhunjhunu (Raj.) now at Kailash Nagar, Rewari Road Narnaul Distt. Mahendergarh Haryana declare that my name and my father name speling has been mentioned as Balbeer Singh S/o Moola ram in my Army Discharge book and my and my father name speling has been mentioned as Balbir Singh S/O Mula Ram in my PNB Bank Account. That the above mentioned name speling are the one and same person.

मिड डे मील के लिए रसोईघर का नहीं प्रबंध शौचालय तक की नहीं सुविधा

प्राथमिक पाठशाला के भवनों को कंडम करने की सिफारिश उच्चाधिकारियों को भेजी, सुरक्षित भवनों में कक्षाएं स्थापित करने की गुहार लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी की एकमात्र ब्वायज प्राथमिक पाठशाला के सभी कमरे जर्जर हो चुके है, इंचार्ज ने कंडम घोषित कराने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र भी लिख दिया। जिसमें कक्षाओं को सुरक्षित भवनों स्थापित करने की मांग है, लेकिन अभी तक बजट स्वीकृति की प्रक्रिया अटकी हुई है। दूसरी तरफ रसोईघर के आभाव में वर्करों को कंडम कमरे में खाना बनाना पड़ता है। जहां बारिश के दिनों में पानी टपकने से खाना नहीं बन पाता। जिस कारण बच्चों को अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। आपको बता दें कि नांगल चौधरी में करीब 55 साल पहले प्राथमिक पाठशाला की आधारशिला रखी गई थी। जिसमें शहर के सेकड़ों बच्चे प्रारांभिक पढ़ाई पूरी करते हैं, लेकिन भवन निर्माण के बाद विभाग ने रिपेयर का बजट मंजूर नहीं किया। प्रांगण में मिट्टी का भरत होने के कारण कमरों का लेवल ग्राउंड से करीब तीन फीट नीचा हो गया।

- कंडम भवनों में पानी टपकने से वर्कर्स को खाना बनाने में होती है मुश्किल

हल्की बारिश होते ही कमरों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। पानी का भराव रहने से कमरों की नींव कमजोर हो गई और पत्थर निकलने शुरू हो गए। फर्श की दरार से कमरों में जहरीले जीव जंतु पैदा होने का खतरा बढ़ गया। स्कूल के इंचार्ज ने कंमरों की जर्जर स्थिति से उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया। पत्र लिखकर स्कूल को कंडम घोषित करके नवनिर्माण का एस्टिमेट बनाने का आग्रह किया है। स्कूल का निर्माण होने तक कक्षाओं को दूसरी जगह सुरक्षित भवनों में स्थापित करने की गुहार लगाई है। तर्क दिया कि पहली से पांचवीं कक्षा तक स्कूल में 60 से अधिक बच्चों का दाखिला है। जिन्हें सुचारू रूप से पढ़ाई कराने के लिए पांच कमरे चाहिए, लेकिन पांच कक्षाओं को तीन कमरों में बैठाकर पढ़ाई कराना मजबूरी है।

नांगल चौधरी। कंडम कमरों में बैठकर पढ़ाई करते प्राथमिक पाठशाला के बच्चे व खुले में रखे चुल्हे पर मिड डे मील बनाने की तैयारी करती वर्कर। फोटो : हरिभूमि

कंडम कमरे को बनाया रसोई घर, बारिश में रहती है परेशानी

विभागीय निर्देशानुसार बच्चों को मिड डे मील देना अनिवार्य है, लेकिन शहर की एकमात्र प्राथमिक पाठशाला में रसोई घर तक उपलब्ध नहीं। इंचार्ज ने कंडम भवन में खाना पकाने का प्रबंध किया है, लेकिन थोड़ी बारिश होते यहां पानी टपकने लगता है। जिस कारण वर्करों को खाना बनाना संभव नहीं हो पाता। कमरे में सीलन होने से कीड़ी मकौड़े पैदा हो गए। जिनसे भोजन की शुद्धता खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

शौचालय का नहीं निर्माण, बच्चे और शिक्षक होते हैं शर्मिंदा

आरईटी एक्ट के तहत सभी स्कूलों में शौचालय, पेयजल तथा खेल ग्राउंड उपलब्ध होना चाहिए। सफाई कर्मचारी की स्थाई नियुक्ति अनिवार्य है, ताकि बच्चों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध रहे, लेकिन नांगल चौधरी की प्राथमिक पाठशाला में एक भी सफाई कर्मी नहीं, बच्चे ही तीन चार दिन में झाड़ू निकालते हैं। इसके अलावा शौचालय की सुविधा नहीं है, इंचार्ज ने पत्थर की पट्टी को खड़ा करके ओट बनाई है। जहां शिक्षक व बच्चों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है।

स्कूल की अव्यवस्थाओं की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी, नहीं हुआ समाधान

स्कूल के इंचार्ज त्रिभुवन शर्मा ने बताया कि कमरों की दीवारों के पत्थर निकलने व छत से पानी टपकने के जानलेवा हादसे का अंदेशा बना हुआ है। उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर स्थित से अवगत करवा दिया है। इसके बावजूद समाधान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि कंडम कमरों में कक्षाएं लगाना खतरे से खाली नहीं, डीईओ व बीईओ से दूसरी जगह कक्षाएं लगवाने की गुहार लगाई है।

शहर के कुम्हारों को मिट्टी नहीं मिलने से परेशानी

दीपावली पर्व पर बढ़ी मिट्टी के दीयों की मांग

अलवर व आसपास के गांवों से मिट्टी के बर्तन लाकर बाजार में बेचने को हो रहे मजबूर

नारनौल। कोलियान मोहल्ला में बनाए गए मिट्टी के दीये व रेवाड़ी रोड पर सजी मिट्टी के दीयों की दुकान। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दीपावली से पहले बाजार में मिट्टी के दीयों की मांग बढ़ गई है। यही वजह है कि कुम्हारों के घरों में आजकल कोई मिट्टी गूंथने में लगा है तो किसी के हाथ चाक पर बर्तनों को आकार देते दिखाई देते हैं। दीपावली पर्व पर धन लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए मिट्टी के दीपक जलाने की परपंरा चली आ रही है और प्रत्येक घर में मिट्टी के दीये जरूर जलाए जाते हैं। मिट्टी से बने दीये चार, छह, बारह और चौबीस दीपों वाली कतार के रूप में सजाये जाते हैं, जो दिखने में काफी आकर्षक लगते हैं तथा इसे ग्वालिन की पूजा भी कहा जाता है। इसी के मद्देनजर अब दीयों की दुकानें भी सजा-धज्जाकर तैयार कर दी गई हैं। वैसे तो दीपावली को अब पांच दिन शेष रह गए हैं। उसी को ध्यान में रखकर धन लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए मिट्टी के दीपक बनाने वाले कुम्हारों की चाकें तेजी से घूम रही हैं। कुम्हार परिवार मिट्टी के दीपक और अन्य सामान तैयार करने में व्यस्त हैं। शहर के विभिन्न मार्गों पर मिट्टी के दीयों की दुकानों नजर आ जाती हैं, वहीं मुख्य बाजार में ढींढासर मंदिर मोड़ पर भी मिट्टी के बर्तनों की कई दुकानें लगती हैं। इस बार कुम्हारों को अच्छी बिक्री एवं आमदनी की उम्मीद है। कोलियान के भीमसिंह प्रजापत ने बताया कि मिट्टी के दीपक बनाने में काफी मेहनत लगती है। इस काम में पूरा परिवार सहयोग करता है, तब जाकर मिट्टी के दीये तैयार होते हैं। वे रोजाना लगभग एक हजार दीपक बनाते हैं। उनका पूरा परिवार इस काम में जुटा हुआ है, जिसमें मिट्टी के दीपक और अन्य बर्तन शामिल हैं। वर्तमान में इन परिवारों में माता-पिता के साथ उनके बच्चे भी मिट्टी के दीपक और मटकियां बनाने में हाथ बंटा रहे हैं। कोई मिट्टी गूंथने में लगा है तो किसी के हाथ चाक पर बर्तनों को आकार दे रहे हैं। पर्व पर धन लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए मिट्टी के दीपक जलाए जाते हैं। छोटी मिट्टी की मटकियों में धान की खीलें भरकर उनकी भी पूजा होती है। इन मिट्टी के बर्तनों और दीयों की बिक्री से ही कुम्हार परिवारों की दीपावली मनती है और उनका जीवन रोशन होता है।

लगातार घटती जा रही आमदनी

कैलाश नगर निवासी पवन प्रजापत का कहना है कि दीपावली और गर्मी के मौसम में मिट्टी से बने बर्तनों की मांग बढ़ जाती है, लेकिन बाकी दिनों में उन्हें मजदूरी करके ही परिवार का पेट पालना मुश्किल हो जाता है। दूर से मिट्टी लाने और महंगी लकड़ी खरीदकर दीपक पकाने में जो खर्च आता है, उसके मुकाबले आमदनी लगातार घटती जा रही है। घर के सभी सदस्य दिन-रात मेहनत करके एक दिन में दो सैकड़ा दीपक बना पाते हैं, वहीं दूसरी ओर बाजारों में इलेक्ट्रानिक्स झालरों की चमक-दमक के बीच मिट्टी के दीपक की रोशनी धीमी पड़ती जा रही है, जिसके चलते लोग दीपकों का उपयोग महज पूजन के लिए ही करने लगे हैं। अत्यधिक महंगाई और कम मुनाफे की वजह से परिवार का पालन करना मुश्किल हो गया है।

यह बनाए जा रहे मिट्टी के आइटम

अबकी बार छोटा दीया एक रुपये में एक बेचा जा रहा है। बड़ा दीया 10 का तथा मध्यम दर्जे का दीया पांच रुपये का है। चार चोंज का दीया 20 रुपये का है। इसके साथ ही 100 रुपये में दीयों का पूरा सैट भी उपलब्ध है। सराई दो रुपये, कलश 30-40 रुपये, गुल्लक 20-200 रुपये, नया मटका 70-100 रुपये तथा करी 10-20 रुपये में बेचे जा रहे हैं। गऊमाता, शिवलिंग एवं लक्ष्मी गणेश की मिट्टी की मूर्तियां भी बाजार में उपलब्ध हैं, जिन्हें रंगों से सजाया गया है। इन मिट्टी के बर्तनों के साथ ही कुम्हारों ने फूलों की लड़ियां एवं अन्य आकर्षक सजावट का सामान भी बेचना शुरू कर रखा है, ताकि आमदनी बढ़े।

मिट्टी नहीं मिलना है समस्या

कुम्हार मिट्टी पर कारीगर करके अपनी आजीविका जुटा रहे हैं, वहीं उन्हें इस आजीविका का मुख्य आधार मिट्टी के लिए पापड़ बेलने पड़ रहे हैं। गांवों में अब शहर के कुम्हारों को मिट्टी बेचना बंद कर दिया है। पहले जहां दोंगली गांव के जोहड़ से मिट्टी मिल जाती थी, वहीं अब जोहड़ में पानी भरने पर दोंगली में यह काम बंद कर दिया गया। दोघाणा गांव में केवल वहां के गांवों के कुम्हारों को ही मिट्टी दी जाती है। शहर के कुम्हारों को मिट्टी बेचना ग्रामीणों ने बंद कर रखा है। मिट्टी नहीं मिलने पर शहर के कुम्हार अलवर एवं आसपास के मिट्टी के बर्तन एवं दीये लाकर बेचने को मजबूर हैं।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम स्थल पर बनाया गया सेल्फी प्वाइंट। फोटो : हरिभूमि

सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत कल से

महेंद्रगढ़। सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ 18 अक्टूबर से होगा। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत शनिवार से हो रही है। इस खेल महोत्सव के अंतर्गत भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र की प्रत्येक विधानसभा में खेल महोत्सव आयोजित होगा। इसकी शुरूआत नांगल चौधरी से हो रही है। भोजावास स्थित सरस्वती स्कूल में सुबह आठ बजे से खेलों की शुरुआत हो जाएगी। खेलों की शुरुआत सांसद धर्मबीर सिंह करेंगे। संदीप मालड़ा ने बताया कि कल के कार्य में 33 टीमें भाग लेंगी तथा एकल खेलों में लगभग 150 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रकार कल के कार्यक्रम में लगभग 650 खिलाड़ी भाग लेंगे।

साढ़े 16 लाख रुपये की लागत से होगा जोहड़ का कायाकल्प

- गंदे पानी की निकासी की समस्या का अब होगा स्थाई समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना में सर्वाधिक कठिन समझी जाने वाली गंदे पानी की निकासी की समस्या का अब स्थाई समाधान होता दिखाई देने लगा है। इसके लिए करीब साढ़े 27 कनाल जमीन पर बने कॉलर वाली का पानी लिफ्ट कर दिया गया है। जिसकी छंटाई का कार्य किया जाएगा।

जोहड़ की जगह में अतिक्रमण की शिकायत मिलने के बाद पैमाईश के लिए भी नायब तहसीलदार पौरुष पहल को आवेदन दिया गया है, जिनकी ओर से जल्द ही पैमाईश कराई जाएगी। नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा व नपा सचिव कपिल कुमार ने बताया कि बारिश के मौसम के बाद जोहड़ की छंटाई का कार्य पुनः शुरू किया गया था।

कनीना। जोहड़ का पानी लिफ्ट करने के बाद निरीक्षण करती नपा चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार। फोटो : हरिभूमि

बारिश के चलते बीच में अटक गया था कार्य

इससे पूर्व यह कार्य जून जुलाई माह में प्रारंभ किया गया था, लेकिन मानसून की बारिश के चलते बीच में अटक गया था। बारिश में जोहड़ के ओवरफ्लो होने के कारण जलभराव की समस्या बन गई थी। बारिश के पानी सहित अनेक चुनौतियों का सामना करने के बाद जोहड़ में पंपसेट लगाकर पानी निकाला गया। अब साढ़े 16 लाख रुपये की लागत से उसकी छंटाई का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पानी निकासी के लिए जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को सात एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है, लेकिन उसका तरीके से कार्य नहीं होने के कारण पत्र लिखा गया है। उन्होंने साफ सफाई व सीवरेज व्यवस्था का जायजा भी लिया। नगर में टूटी सड़क को दुरुस्त करवाने का कार्य किया जा रहा है।

देवउठनी एकादशी पर बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन अलर्ट, डायल 112 या 1098 नंबर पर दें सूचना

- नेशन बिल्डर अवार्ड समारोह का आयोजन 28 मई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

देवउठनी एकादशी के अबूझ सावे पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। इस सामाजिक बुराई पर रोक लगाने के लिए वीरवार को जिले के अटेली, बाछौद, नसीबपुर, निवाजनगर तथा हुडिना में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा ने बताया कि सभी क्षेत्रों में गांवों के मौजिज नागरिकों, सरपंचों, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर, वर्कर, टेंट हाउस संचालकों, विवाह समारोह स्थलों, नगर पार्षदों और समाजसेवियों से सहयोग की अपील की जा रही है।

नारनौल। बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाती टीम। फोटो : हरिभूमि

शादी करवाते समय उम्र का विशेष ध्यान रखें

उन्होंने आमजन से आग्रह किया है कि इस दिन आयोजित होने वाले किसी भी बाल विवाह की सूचना तुरंत 112 अथवा 1098 नंबर पर दें। उन्होंने धार्मिक संस्थाओं जैसे मंदिर, गुरुद्वारे, मौलवी और पादरी आदि से भी आग्रह किया है कि शादी संपन्न करवाते समय लड़का लड़की की उम्र का विशेष ध्यान रखें। सरिता शर्मा ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अनुसार लड़के की आयु 21 वर्ष से कम और लड़की की आयु 18 वर्ष से कम पाए जाने पर यह बाल विवाह माना जाएगा। यह एक गैर जमानती और संज्ञेय अपराध है। बाल विवाह करवाने या उसे बढ़ावा देने वालों को दो साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। ऐसे मामलों में पोक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई होती है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है। बाल्यावस्था में विवाह होने पर लड़का लड़की शादी की जिम्मेदारी उठाने में सक्षम नहीं होते, जिससे उनका मानसिक व शारीरिक विकास भी बाधित होता है। इसे रोकने के लिए आम जनता को प्रशासन की मदद करनी चाहिए।

सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में सावन कुमार प्रथम

नांगल चौधरी। विभागीय निर्देशानुसार शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज में प्राचार्य डॉ. अनिल कुमारी की देखरेख में सड़क सुरक्षा परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें अव्वल रहे प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि युवाओं में वाहन ड्राइविंग का जुनून तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें अधिकतर नाबालिग होते हैं। जिन्हें यातायात नियमों की जानकारी नहीं होती। गलत साइड में वाहन चलाने या ओवरटेक नियमों की अनदेखी करने की स्थिति में सड़क हादसे बढ़ गए। विभाग ने सड़कों पर क्रॉसिंग प्वाइंट, सांकेतिक बोर्ड तथा जेब्रा क्रॉसिंग का प्रबंध किया है। जहां चालकों को वाहन की स्पीड धीमी करने का संदेश मिलता है, लेकिन जानकारी के आभाव में नियमों की पालना नहीं करते, जिस कारण दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना संभव नहीं हो रहा है।

पूजा ने कम्प्यूटर साइंस में पीएचडी की उपाधि की प्राप्त

नारनौल। गांव मंडलाना की बेटी और भाजपा के पूर्व प्रदेश सचिव स्वर्गीय बिक्रम सिंह यादव की पुत्रवधु पूजा यादव ने कम्प्यूटर साइंस में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि के रूप में आए। कार्यक्रम के अध्यक्षता बाबा बालकनाथ ने पूजा यादव को अपने हाथों से पीएचडी की उपाधि प्रदान की। दी महेंद्रगढ़ केन्द्रीय सहकारी बैंक में कार्यरत डॉ. पूजा यादव ने अपनी इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री मोदी की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की मुहीम का आभार व्यक्त किया। साथ हीं अपने माता-पिता और ससुराल वालों को उनके सहयोग के लिए श्रेय भी दिया। रेवाड़ी केन्द्रीय सहकारी बैंक महाप्रबंधक प्रशांत यादव ने डॉ. पूजा यादव तथा उसके परिजनों को बधाई दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

यदुवंशी शिक्षा निकेतन
दिवाली उत्सव
सम्मान एवं मिलन समारोह 2025
17, 18 एवं 19 अक्टूबर 2025
कार्यक्रम
17 अक्टूबर 2025
समय / स्थान
09:00 बजे आशीर्वाट गार्डन, अटेली
11:00 बजे यदुवंशी शिक्षा निकेतन, कनीना
01:00 बजे यदुवंशी शिक्षा निकेतन, महेन्द्रगढ़
03:00 बजे यदुवंशी शिक्षा निकेतन, सतनाली
18 अक्टूबर 2025
समय / स्थान
09:00 बजे यदुवंशी शिक्षा निकेतन, थनवास
11:00 बजे सैलिब्रेशन गार्डन, निजामपुर
01:00 बजे यदुवंशी शिक्षा निकेतन, नारनौल
03:00 बजे बाबा खेतानाथ मैरिज पैलेस, सिहमा
19 अक्टूबर 2025
समय / स्थान
09:00 बजे यदुवंशी शिक्षा निकेतन, सोहली
हार्दिक आमंत्रण
आदरणीय सभी जन प्रतिनिधियों को हाथ जोड़कर नमस्कार!
आप सभी सरपंचों, पंचों, जिला परिषद के प्रमुख एवम् पार्षदों, पंचायत समिति के चेयरमैन एवम् सदस्यों, नगरपालिका प्रधान एवम् पार्षदों, नम्बरदारों, चौकीदारों को सम्मान समारोह में हार्दिक आमंत्रित करते हैं। विभिन्न समाजों की सभाओं का भी हार्दिक आमंत्रण है। हमारी भूलवश किसी के पास निमंत्रण या फोन से सम्पर्क नहीं हुआ है तो कृपया इस आमंत्रण द्वारा आप अवश्य पहुंचकर अनुगृहित करें।
आप सभी का कार्यक्रमानुसार हार्दिक अभिनंदन है।
01285-220944, 9466341799
आपका अपना
राव बहादुर सिंह
चेयरमैन यदुवंशी ग्रुप एवं पूर्व विधायक नांगल चौधरी